ज्वार

किस्में

सी एस एच 5, सी एस एच 6, सी एस एच 9, एस पी वी 346, किस्मों का प्रति हैक्टेयर 9–10 किलो प्रमाणित बीज बोये।

बीजोपचार

अनुपचारित बीज को 3 ग्राम थाइरम या 4 ग्राम गन्धक चूर्ण प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। इसके बाद एजोटोबेक्टर तथा पी एस बी कल्चर से उपचारित करें।

बुवाई

जून अन्त से मध्य जुलाई तक बुवाई करें। सिंचित क्षेत्रों में 15 जून तक बुवाई करें। पौधे के बीच 12–15 सेन्टीमीटर एवं कतारों के बीच 45 सेन्टीमीटर की दूरी रखते हुए बीज उर देवें। प्रति वर्गमीटर 15–17 पौधे होने चाहिये। वर्षा होने की सूचना प्राप्त होने के बाद सूखी बुवाई की जा सकती है। घने पौधों को खाड़कर पौधों के बीच निश्चित दूरी करें। उखाड़े हुए पौधे जानवरों का नही खिलाये।

अतर्शस्य

ज्वार की दो कतारें 30–30 सेन्टीमीटर की दूरी पर तथा ऐसे दो जोड़ों के बीच 60 सेन्टीमीटर में एक कतार अरहर या उड़द की बोंयें। ज्वार के साथ अरहर की मिलवां खेती में ज्वार की आपसी दूरी 12–15 सेन्टीमीटर रखें।

खाद एवं उर्वरक

मिट्टी परीक्षण के अनुसार उर्वरको का उपयोग करें। इसके आभाव में असिंचित क्षेत्र में 45 किलो उत्तमवीर यूरिया एवं 125 किलो उत्तम सुपरफास्फेट या 45 किलो उत्तम डी. ए. पी. एवं 30 किलो उत्तमवीर यूरिया प्रति हैक्टेयर बुवाई पूर्व कतारों में 10 सेन्टीमीटर गहरा कर देवें। 45 किलो उत्तम यूरिया बुवाई के एक माह बाद वर्षा होने पर देवें।

सामान्य दशा में निम्नलिखित मात्रा में उर्वरक प्रयोग करें।

पोषक तत्व	पोषक तत्व की मात्रा (किग्रा/हे.)	उर्वरक की मात्रा (किग्रा/हे.)
नाइट्रोजन	21	45 (यूरिया)
फास्फोरस	20	125 (एस.एस.पी.)
पोटाश	–	–

निराई–गुडाई व सिंचाइ

उर्वरक देने के बाद और सिट्टे आते समय सिंचाई अवश्य करें। बुवाई के 15–20 दिन बाद निराई–गुडाई कर खरपतवार निकालें।

पौध–संरक्षण

तना छेदक

प्रकाश पाश पर वयस्क कीटों को आकर्षित कर नष्ट करें। कटाई के बाद डंठलों को जला देवें। तना छेदक का प्रकोप कम करने हेतु एण्डोवीर 4% कण 8–10 किलो प्रति हैक्टेयर की दर से बुवाई के 25 दिन बाद 5–7 कण प्रति पौधे के पोटों में डालें अथवा नीम की एक किलो ताजा पत्तियों को पीस कर दस लीटर पानी में मिलाकर महीन कपड़े से छान लेवें। इसमें 10 ग्राम साबुन का घोल मिलायें एवं फसल पर 10, 20, 30 दिन की अवस्था पर छिड़काव करने से तना छेदक का प्रकोप कम होता हैं।

सैन्य कीट, जाला बुनने वाली लट, अन्य कीट सिट्टा बग, ब्लिस्टर बीटल, चैफर बीटल, माहू के नियन्त्रण हेतु सवा लीटर एण्डोवीर 35 ई सी या दो किलो कारबोरिल 55% घुलनशील चूर्ण को पानी में घोलकर चूर्ण का पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें अथवा कारबोरिल 5% चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टेयर भुरके।

अंकुरण के 25 दिन बाद ज्वार के पौधों पर ओरगेनो फॉस्फेटिक कीटनाशी का प्रयोग नही करें। इस अवधि में पौधों में जहरीला पदार्थ हाइड्रोसायनिक अम्ल बनता है जो इन दवाओं के साथ फॉस्फीन बनाता है जो पौधों के लिये हानिकारक है।